हरिभूमि
मध्यांचल भूमि
रायपुर, मंगलवार 7 जुलाई 2026

तापमान
अधिकतम 30.0 डिग्री
न्यूनतम 26.0 डिग्री

चार दिनों की बारिश से किसानों को मिली राहत 12

सेवानिवृत शिक्षक देवलाल को स्कूल प्रबंधन .. 14

मौसम : प्रशासन ने लगाये बैरिकेड, तैनात किए गए गोताखोर

शिवनाथ का जल स्तर बढ़ा, अमेठी एनीकट पर 12 फीट पानी

हरिभूमि न्यूज ▸▸| पलारी

आषाढ़ मास लगते ही मानसून की सक्रियता से बारिश का दौर शुरू हो चुका है। चहुंओर वर्षा होने से महानदी में बाढ़ आ गई है। महानदी अमेठी घाट पर बने एनिकट के ऊपर 10-12 फीट पानी बह रहा है। जिससे आवागमन अवरूद्ध हो गया है। महानदी किनारे अवस्थित विकास खंड कसडोल के अंतर्गत आने वाले दर्जनों गांवों का सड़क संपर्क पलारी एवं जिला मुख्यालय बलौदा बाजार से टुट चुका है। समाचार संप्रेषित किये जाने तक महानदी के जलस्तर में कमी आ रही है।जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि बाढ़ग्रस्त नदियों, अनिकटो और पुलों को पार करने का प्रयास न करे जब तक जलस्तर न उतरे।

कसडोल - सिरपुर मार्ग अवरूद्ध : महानदी के उस पार कसडोल सिरपुर मुख्य सड़क मार्ग दूरी 47 किलोमीटर में दर्जनों नाले उफान पर हैं , जिससे ग्राम रीवांसरार अंचल के गांवों का एक दूसरे गांव से सड़क ▸▸ शेष पेज 12 पर

बारिश से सेमरियाघाट शिवनाथ नदी पुल डूबा

भाटापारा। बीते रविवार को अंचल में हुई लगातार तेज बारिश से क्षेत्र में पानी लबालब हो गया है। खेत-खलिहान, नदी तालाब लबालब हो गये हैं। वहीं शहर से 7 किमी दूर शिवनाथ नदी सेमरिया घाट पुल बारिश के पानी व उपरी जल प्रवाह से डूब गया, जिससे पुल से आवागमन बंद हो गया है। सोमवार शाम तक नदी का जल स्तर पुल के ऊपर दो फीट से ऊपर पानी बह रहा है। सुरक्षा की दृष्टि से नदी के तट पर ग्रामीण थाना के पुलिस बल को तैनात किया गया है। वहीं इस साल बारिश का मौसम शुरू होने के बाद पहली बार लगातार 24 घंटे तक रूक-रूक कर तेज व मध्यम बारिश हुई।

लगातार बारिश से जलमग्न हुआ अंचल धान की रोपाई को मिली रफ्तार

हिरमी रावन। लगातार हो रही बारिश से अंचल के कई गांवों के खेत पूरी तरह पानी से लबालब हो गए हैं। खेतों में पर्याप्त जलभराव होने से किसानों के चेहरे खिल उठे हैं और धान की रोपाई का कार्य तेज गति से शुरू हो गया है। लंबे इंतजार के बाद अच्छी बारिश मिलने से किसानों ने राहत की सांस ली है। अंचल के हिरमी, मोहरा, भालेसुर, भालूकोना, कुथरौद और मुसवाडीह सहित आसपास के गांवों में खेत जलमग्न दिखाई दे रहे हैं। निचले इलाकों में पानी भर जाने से चारों ओर तालाब जैसा दृश्य नजर आ रहा है। हालांकि कुछ स्थानों पर अधिक जलभराव से आवागमन प्रभावित हुआ है, लेकिन अधिकांश किसान इसे खरीफ फसल के लिए लाभकारी मान रहे हैं।किसानों का कहना है कि समय पर हुई बारिश से धान की रोपाई के लिए अनुकूल परिस्थितियां बन गई हैं।

खबर संक्षेप

बारिश से धौराभाठा के खेत-तालाब लबालब

गोपालपुर। पंचायत मुख्यालय धौराभाठा (घो) में दो दिनों की लगातार बारिश से खेत खलिहान और तालाब लबालब हो गए है। वहीं आसपास के नाले भी उफान पर है। लगातार बारिश से किसानों का खेती कार्य भी ठप पड़ा है। लोग खेतों से पानी निकालने में जुटे हैं।

बारिश से खेती-किसानी के कार्यों में आयेगी तेजी

कसडोल। लंबे समय तक चली डबल जेठ की भीषण गर्मी और मानसून के आगमन में देरी के बाद आखिरकार कसडोल शहर सहित पूरे ग्रामीण अंचल में बहुप्रतीक्षित झमाझम बारिश ने दस्तक दे दी है। इस बारिश ने गर्मी और सूखे जैसी स्थिति से जूझ रहे किसानों को बड़ी राहत दी है। बारिश की फुहारें पड़ते ही लंबे समय से इसका इंतजार कर रहे किसानों के चेहरों पर मुस्कान लौट आई है और सूने पड़े खेतों में एक बार फिर रौनक छा गई है। इस वर्ष मानसून में विलंब और तेज गर्मी पड़ने के कारण खेती का काम लगभग 15 दिन पिछड़ गया था। जिन किसानों ने धान की बुवाई पहले कर दी थी, उन्हें तेज धूप और उमस के कारण बीज खराब होने की चिंता सता रही थी। लेकिन हालिया बारिश ने उनकी चिंता को उत्साह में तब्दील कर दिया है।

बारिश में टपकने लगी स्कूल की छत 73 बच्चों की पढ़ाई एक कमरे में सिमटी

हरिभूमि न्यूज ▸▸| सुहेला

मानसून की पहली ही बारिश ने शिक्षा विभाग की तैयारियों की पोल खोल दी। शासकीय नवीन प्राथमिक शाला, सुहेला में बारिश शुरू होते ही एक कक्षा और बरामदे की छत से पानी टपकने लगा, जिससे विद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था प्रभावित हो गई। स्थिति ऐसी बन गई कि लगभग 73 विद्यार्थियों वाली पांचों कक्षाओं के बच्चों को एक ही कमरे में बैठाकर पढ़ाई करानी पड़ रही है। टपकती छत के बीच शिक्षक और बच्चे जैसे-तैसे शिक्षण कार्य संचालित करने को मजबूर हैं।

- वर्षों से मरम्मत की मांग के बावजूद नहीं हुआ समाधान

सबसे चिंताजनक बात यह है कि यह समस्या नई नहीं है। विद्यालय प्रबंधन के अनुसार पिछले दो-तीन वर्षों से प्रत्येक बरसात में यही स्थिति बनती आ रही है। छत की मरम्मत के लिए कई बार शिक्षा विभाग के अधिकारियों को लिखित आवेदन दिए गए, लेकिन अब तक स्थायी समाधान नहीं हो सका।

जर्जर भवन भी अब तक नहीं हुआ डिस्मैंटल

इस संबंध में संकुल समन्वयक शंभू ने कहा, मेरा कार्य केवल विद्यालय से प्राप्त जानकारी एवं आवेदन को विकासखंड शिक्षा अधिकारी तक पहुंचाना है। भवन की मरम्मत या निर्माण कराना मेरे अधिकार क्षेत्र में नहीं है। विकासखंड शिक्षा अधिकारी संजय श्रीवास्तव ने बताया कि जर्जर भवन को डिस्मैंटल करने के लिए प्रस्ताव पहले ही भेजा जा चुका है, जिस पर अभी निर्णय होना बाकी है। उन्होंने कहा, ऐसी प्रक्रियाओं में समय लगता है। जहां तक कक्षाओं में पानी टपकने का सवाल है, वहां आवश्यक मरम्मत एवं सुधार कार्य जल्द कराया जाएगा।

नतीजतन इस वर्ष भी पहली बारिश के साथ बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होने लगी।

विद्यालय में कुल तीन कमरे हैं, जिनमें से एक कक्षा और बरामदे की छत से लगातार पानी रिस रहा है। ऐसे में सभी विद्यार्थियों को एक ही कक्ष में बैठाकर ▸▸ शेष पेज 12 पर

बिजली करंट से युवक की मौत

भाटापारा। नगर के धुरंधर वार्ड निवासी दिनेश यादव 43 साल की रविवार शाम 5 बजे करंट लगने से मौत हो गई। घटना के संबंध में पुलिस ने बताया कि दिनेश रोज की तरह सिविल अस्पताल के पास अपनी होटल से शाम अपने घर पहुंचा और खाना खाने की तैयारी से पहले कूलर चालू करने के लिए बटन दबाया। इसी बीच कूलर की पूरी बाडी में करंट प्रवाहित हो गया और वह कूलर से चिपक गया। इसी बीच उसके छोटे भाई की बेटी ने जब मृतक दिनेश के कमरे में पहुंची तो देखा वह गिरा पडा हुआ है, उसने तत्काल इस बात की जानकारी होटल में उसके भाई को दी। मौके पर पहुंचकर तत्काल कूलर की बटन को बंद किया और दिनेश को अस्पताल ले ▸▸ शेष पेज 12 पर

खबर संक्षेप

समाजसेवी ने बच्चों को बांटी कॉपी, पेन और पुस्तकें

खरोरा। ग्राम कठिया निवासी समाजसेवी डॉ. हरीश वर्मा ने अपनी पुत्री आर्वी वर्मा के जन्मदिन को सेवा और सामाजिक सरोकार का उत्सव बनाते हुए गांव के स्कूली बच्चों को कॉपी, पेन, पेंसिल, रबर, पहाड़ा तथा मिठाइयों का वितरण किया। डॉ. वर्मा प्रतिवर्ष अपने बच्चों के जन्मदिन को इसी तरह जरूरतमंद विद्यार्थियों के बीच शैक्षणिक सामग्री वितरित कर मनाते हैं, जिससे बच्चों में शिक्षा के प्रति उत्साह बढ़े और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को सहयोग मिल सके। इस अवसर पर डॉ. हरीश वर्मा ने कहा कि गांव में अनेक गरीब परिवार ऐसे हैं जो अपने बच्चों के लिए पढ़ाई-लिखाई की आवश्यक सामग्री भी उपलब्ध नहीं करा पाते।

कपिल बने छत्तीसगढ़ सरपंच संघ के प्रदेश अध्यक्ष

कसडोल। जनपद पंचायत कसडोल की ग्राम पंचायत बया के सरपंच कपिल देव नायक को छत्तीसगढ़ सरपंच संघ का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। रायपुर के होटल इमराल्ड में आयोजित प्रदेश स्तरीय बैठक में उनकी नियुक्ति सर्वसम्मति से की गई। नियुक्ति पर जनप्रतिनिधियों एवं समर्थकों ने हर्ष व्यक्त किया। प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद नायक ने कहा कि वे प्रदेशभर के सरपंचों को संगठित कर पंचायतों के अधिकार, ग्रामीण विकास और जनहित के मुद्दों को मजबूती से उठाएंगे। उन्होंने जल, जंगल, जमीन और ग्रामीण स्वाभिमान की रक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए पंचायतों को सशक्त बनाने का संकल्प दोहराया।

चार दिनों की बारिश से किसानों को मिली राहत

भवानीपुर। अंचल में पिछले चार दिनों से लगातार हो रही मुसलाधार बारिश ने खेती-किसानी की तस्वीर बदल दी है। एक सप्ताह पहले तक जहां खेतों में पानी की भारी कमी के कारण किसान चिंतित थे और धान की बुवाई प्रभावित हो रही थी, वहीं अब अधिकांश खेत पानी से लबालब भर गए हैं। लंबे इंतजार के बाद हुई अच्छी बारिश से किसानों को बड़ी राहत मिली है और खेती के कार्यों ने भी रफ्तार पकड़ ली है।

श्रद्धालुओं को राहत पहुंचाने देवदूत बनी कसडोल पुलिस

भारी वर्षा से आई बाढ़, मातागढ़ तुरतुरिया धाम में फंसे 200 से अधिक श्रद्धालु

हरिभूमि न्यूज ⏭ कसडोल

कसडोल क्षेत्र अंतर्गत तुरतुरिया स्थित मातागढ़ मंदिर में दर्शन करने पहुंचे करीब 250 श्रद्धालु अचानक संकट में घिर गए। लगातार हो रही भारी बारिश के कारण तुरतुरिया स्थित बालमदेही नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ने पर बाढ़ जैसी स्थित बन गई। जिससे मंदिर तक पहुंचने और लौटने वाला मार्ग पूरी तरह जलमग्न हो गया। नदी के उफान पर आने से श्रद्धालु पहाड़ी पर ही फंस गए और चारों ओर पानी भर जाने से हालात गंभीर हो गए।

पुलिस ने संभाला मोर्चा, शुरू किया रेस्क्यू ऑपरेशनः घटना की जानकारी मिलते ही कसडोल थाना पुलिस और नगर सैनिक द्वारा कसडोल थाना प्रभारी प्रवीण मिंज के नेतृत्व में पुलिस बल मौके पर पहुंच कर तत्काल राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया। नदी का तेज बहाव देखते हुए पुलिस ने जोखिम उठाने के बजाय जंगल के वैकल्पिक मार्ग से श्रद्धालुओं को निकालने की

7 घंटे तक चला अभियान, सभी श्रद्धालु सुरक्षित

तकरीबन सात घंटे तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद देर शाम तक सभी 250 श्रद्धालुओं को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। राहत की बात यह रही कि इस पूरी घटना में किसी भी श्रद्धालु को कोई चोट या अन्य नुकसान नहीं पहुंचा। सुरक्षित बाहर आने के बाद श्रद्धालुओं ने पुलिस और प्रशासन की तत्परता की सराहना करते हुए उनका आभार व्यक्त किया। वहीं प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है, कहा कि आने वाले दिनों में बढ़ते बारिश की संभावना को देखते हुए तुरतुरिया जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में न जाये व जाने से पहले स्थानीय प्रशासन को सूचित अवश्य करें।

सुरक्षित निकाले गए श्रद्धालु

रेस्क्यू अभियान के दौरान पुलिस जवानों ने श्रद्धालुओं को छोटे-छोटे समूहों में बांटा और नदी किनारे से लगभग 2 से 3 किलोमीटर लंबे दुर्गम जंगल के रास्ते पैदल सुरक्षित स्थान (ठाकुरदिया) तक पहुंचाया गया। पूरे अभियान में पुलिसकर्मी बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों का सहारा बने रहे और उन्हें सुरक्षित बाहर निकालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

बारिश ने बढ़ाई मुश्किल, लौटने का रास्ता हुआ बंद

जानकारी के अनुसार, बीते दिनों रविवार को सुबह से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु माता के दर्शन के लिए तुरतुरिया मंदिर पहुंचे थे। भक्तों ने सुबह के समय सूखी बालमदेही नदी को पार कर पहाड़ी स्थित माता गढ़ में पूजा-अर्चना की। मंदिर में दोपहर तक सब कुछ सामान्य था, लेकिन अचानक मौसम ने करवट बदला और मूसलाधार बारिश शुरू हो गई। बारिश के कारण नदी का जलस्तर देखते ही देखते बढ़ गया और तेज बहाव के कारण नदी पार करना असंभव हो गया। इससे करीब 250 भक्त मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्र में फंस गए और सुरक्षित बाहर निकलना संभव नहीं रहा।

भटगांव अंचल में बारिश से खेत खलिहान तर-बतर

भटगांव। अंचल में मानसून आते ही पहली आषाढ में मुसलाधार बारिश से खेत खलिहान लबालब हो गए जिधर देखें उधर पानी ही पानी हो गया। किसानों के खेतों में तर-बतर पानी ने चिंता में डाल दिया है। अत्यधिक बारिश होने से खेतों में पानी की धार बह रही है किसान पानी को बाहर निकाल रहें हैं। अंचल में 90 फ़ीसदी किसानों ने खुर्रा धान बुवाई का ली है ऐसे में ज्यादा पानी भी धान खराब होंने का डर रहता है।

झमाझम बारिश बनी किसानों के लिए वरदान

खरोरा। क्षेत्र में पिछले तीन दिनों से रुक-रुककर हो रही झमाझम बारिश ने किसानों के चेहरे पर मुस्कान लौटा दी है। लंबे समय से अच्छी वर्षा का इंतजार कर रहे अन्नदाताओं के लिए यह बारिश किसी वरदान से कम नहीं है। खेतों में पर्याप्त नमी आने से खरीफ फसलों की बुवाई का कार्य तेज हो गया है। धान, मक्का, अरहर सहित अन्य खरीफ फसलों के लिए यह वर्षा लाभदायक मानी जा रही है। लगातार बारिश से तालाब, नाले और अन्य जलस्रोत भी भरने लगे हैं। सूखे पड़े खेतों में पानी पहुंचने से भूजल स्तर में सुधार की उम्मीद बढ़ गई है। ग्राम तुलसी के किसान मिथिलेश वर्मा प्रदीप वर्मा युवराज वर्मा ने बताया कि यदि आने वाले दिनों में भी इसी तरह संतुलित वर्षा होती रही तो इस वर्ष अच्छी फसल उत्पादन की पूरी संभावना है। बारिश से मौसम भी सुहावना हो गया है। भीषण गर्मी और उमस से लोगों को राहत मिली है तथा ग्रामीण क्षेत्रों में हरियाली बढ़ने लगी है। हालांकि लगातार वर्षा के कारण कई गांवों की गलियों में जलभराव और कच्चे रास्तों पर कीचड़ से लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कृषि विशेषज्ञों अनुसार वर्तमान वर्षा खरीफ फसलों के लिए अत्यंत लाभकारी है। खेतों में पर्याप्त नमी बनने से बीजों का बेहतर अंकुरण होगा।

लगातार मूसलाधार बारिश से सिमगा में बाढ़ जैसे हालात

सिमगा। नगर सहित अंचल में पिछले कई घंटों से लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने जनजीवन को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। भारी वर्षा के चलते शिवनाथ नदी एवं कई छोटे नाले उफान पर हैं। नदी में पानी के बहाव के साथ बड़ी मात्रा में जलकुंभी बह कर आ गयी है, जिससे नदी जलकुंभी से पट गयी है। बेमेतरा मार्ग पर पुराना पुल डूबने के कगार पर है। वहीं नगर के कई निचले इलाकों में जलभराव की गंभीर स्थिति निर्मित हो गई है।

- नदी-नाले उफान पर, घरों में घुसा पानी, बिजली व्यवस्था ठप, जनजीवन पूरी तरह प्रभावित

कई मोहल्लों में बारिश का पानी घरों के भीतर घुस गया है, जिससे लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बारिश के पानी का समुचित निकासी व्यवस्था नहीं होने के कारण प्रतिवर्ष लोगों के घरों में बारिश का पानी प्रवेश कर जाता है, जिससे घरेलू सामान, खाद्यान्न एवं अन्य आवश्यक वस्तुएं प्रभावित हो जाती है। सरोपी तालाब खेतों व नालियों का पानी नगर के जय स्तंभ चौक तिराहा चौक बिलासपुर रोड पर बहता रहता है एवं गड्ढों में पानी भर जाने से लोगों को आवागमन में असुविधा का सामना करना पड़ता है।

नगरवासियों ने प्रशासन से तत्काल जल निकासी की व्यवस्था दुरुस्त करने, प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण करने तथा आवश्यक राहत उपलब्ध कराने की मांग की है। दुसरी ओर खेतों में पानी भर जाने से खेत लबालब हो गये हैं। किसानों धान के बीज सड़ने का डर सता रहा है।

अनेक गांवों में बिजली व्यवस्था ठप हो गयी है जिससे लोग परेशान हैं। वहीं मौसम की स्थिति को देखते हुए प्रशासन लगातार हालात पर नजर बनाए हुए है। संबंधित विभागों को अलर्ट मोड पर रखा गया है तथा लोगों से अपील की गई है कि वे नदी-नालों, पुल-पुलियों और जलभराव वाले क्षेत्रों के आसपास जाने से बचें। अभिभावकों से बच्चों को पानी से दूर रखने तथा किसी भी आपात स्थिति में तत्काल प्रशासन को सूचना देने का आग्रह किया गया है।

पेज 11 के शेष

शिवनाथ का जल ..

संपर्क टूट चुका है। वहीं खंड मुख्यालय कसडोल जाने वाले सड़क मार्ग पर विभिन्न नालों में बाढ़ आ गई है जिससे अंचल का सड़क संपर्क खंड मुख्यालय कसडोल से कट चुका है। समाचार संप्रेषित किये जाने तक कसडोल सिरपुर मुख्य सड़क मार्ग पर कुकुरभुक्का नाला, भड़ोरा नाला, पुटपुरा नाला, नंदनीया नाला में बाढ़ का पानी बह रहा है, जिससे आवागमन ठप हो गया है। उधर मिनीडोर से तुरतुरिया मतागढ़ दर्शन के लिए गए 200 श्रद्धालु व पर्यटक फंस गए थे, जिसे पुलिस रेस्क्यू टीम ने सभी को सकुशल बाहर निकाला। इसके अलावा अंचल से किसी प्रकार के अप्रिय घटनाओं की सूचना नहीं मिली है। भारी बारिश के चलते मानसून की बेसब्री से इंतजार कर रहे किसानों ने राहत की सांस ली है। धान की बोंआई कर चुके खेतों में अनुकूल पानी बह रहा है। कुछ किसानों ने अत्यधिक बारिश होने के कारण बोंआई कर चुके धान के सड़ने की आशंकाएं जताई है।वहीं रवि फसल धान बोने के कारण जिन खेतों की समय पर बोंआई नहीं हो पाई है उन खेतों में लईहरा पद्धति से बोनी कार्य हो पायेगा।

बिजली करंट से ...

जाया गया, जहां उपचार से पहले ही उसकी मौत हो चुकी थी। घटना में मृतक जिस हाथ से कूलर को चालू किया था और उसे करंट लगा था वह पूरी तरह जल गया था, जिससे उसकी मौत मौके पर ही हो गई। घटना के समय वह कूलर का बटन दबाकर चालू कर रहा था और उसका हाथ कूलर की बाडी से टकरा गया जिसमें करंट फैला हुआ था और वह करंट का शिकार हो गया।

बिजली विभाग का कहना है कि बारिश के मौसम में कूलर को सावधानी से उपयोग किया जाना चाहिए, क्योंकि कहीं तार छिल जाने या ब्रेक होने से पूरी बाडी में करंट आ जाता है, इसलिए गर्मी की अपेक्षा बारिश के मौसम में कूलर में करंट का खतरा ज्यादा रहता है। नंगे पैर रहकर इसे कभी चालू नहीं करना चाहिए। बिना अर्थिंग के अक्सर इस तरह की घटना घटित होती है।

बारिश में टपकने ...

पढ़ाई कराई जा रही है। इससे न केवल शिक्षण व्यवस्था प्रभावित हो रही है, बल्कि विद्यार्थियों की सुरक्षा को लेकर भी चिंता बढ़ गई है। विद्यालय परिसर में स्थित अतिरिक्त भवन भी पिछले लगभग तीन वर्षों से जर्जर अवस्था में खड़ा है। विद्यालय प्रबंधन के अनुसार इस भवन को डिस्मैंटल (ध्वस्त) किए जाने के लिए लगातार प्रस्ताव एवं आवेदन भेजे जा रहे हैं, लेकिन अब तक कोई निर्णय नहीं हो पाया है। भवन की जर्जर स्थिति को देखते हुए उसमें कक्षाएं संचालित करना बंद कर दिया गया है। अब जिस भवन में पढ़ाई हो रही है, उसकी छत भी बारिश में जवाब देने लगी है। बार-बार जानकारी और प्रस्तावों के बावजूद समस्या का समाधान नहीं होने पर सोमवार को विद्यालय की प्रधान पाठिका ने ग्राम के उपसरपंच देवाधृतरलहरे एवं पंच को विद्यालय बुलाकर टपकती छत की स्थिति दिखाई और बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होने की जानकारी देते हुए शीघ्र मरम्मत की मांग की।

प्रधान पाठिका जामवंती गेंडे ने बताया कि छत की मरम्मत के लिए विभाग को जानकारी भेजी गई थी। बरसात के दौरान छत से पानी टपकने के कारण विद्यार्थियों को बैठने और पढ़ाई करने में भारी परेशानी होती है, लेकिन अब तक कोई प्रभावी मरम्मत कार्य नहीं कराया गया।

कुपोषण मुक्त जिला बनाने कलेक्टर की पहल, 2 विभाग और अधिकारियों को मिली जिम्मेदारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलाईगढ़

कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू के नेतृत्व में सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले क़ो कुपोषण मुक्त जिला बनाने के लिए लक्ष्य निर्धारित किया गया, जिसके लिए अधिकारियों क़ो जिम्मेदारी दी गई है। वहीं मूल विभाग महिला एवं बाल विकास और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग को विशेष रूप से ध्यान देने के लिए निर्देशित किया गया है, जिससे कुपोषण मुक्त जिला के लक्ष्य को पूरा किया जा सके। सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में 175 कुपोषित बच्चे हैं, जिनके आंगनबाड़ी केन्द्र का चिन्हाकन किया गया है, जहां 01-01 कुपोषित बच्चे दर्ज हैं। इन केन्द्रों में दर्ज कुपोषित बच्चों के नियमित स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर की निगरानी, गृह भ्रमण तथा अभिभावकों को उचित पोषण परामर्श प्रदान करने जिले के अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है, जिससे बच्चों की पोषण स्थिति में शीघ्र सुधार संभव है और जिले को कुपोषण मुक्त बनाने के लक्ष्य की प्राप्ति में सहायता मिलेगी। संबंधित अधिकारी प्रत्येक आवंटित आंगनबाड़ी केन्द्र का निरीक्षण कर कुपोषित बच्चों की स्थिति की समीक्षा करेंगे तथा की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत करेंगे।

पीएम राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए 31 तक ऑनलाइन आवेदन

बिलाईगढ़। बच्चों की असाधारण प्रतिभा और उपलब्धियों को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2026 के लिए नामांकन आमंत्रित किए गए हैं। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रतिवर्ष भारत के राष्ट्रपति द्वारा उन बच्चों को प्रदान किया जाता है जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देश का गौरव बढ़ाया है। महिला एवं बाल विकास विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस वर्ष नामांकन प्रक्रिया 31 जुलाई तक जारी रहेगी। 5 से 18 वर्ष आयु वर्ग के बच्चे इसके लिए आवेदन कर सकते हैं। पुरस्कार के लिए वीरता, सामाजिक सेवा, पर्यावरण संरक्षण, खेल, कला एवं संस्कृति तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी जैसी श्रेणियों में उल्लेखनीय उपलब्धियों को मान्यता दी जाएगी। इच्छुक बच्चे, अभिभावक, संस्थाएं अथवा अन्य व्यक्ति योग्य बच्चों का नामांकन कर सकते हैं। स्व-नामांकन की सुविधा भी उपलब्ध है। सभी आवेदन केवल राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन स्वीकार किए जाएंगे। आवेदन एवं विस्तृत जानकारी के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल पर विजिट किया जा सकता है।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को भाजपा कार्यकर्ताओं ने दी श्रद्धांजलि

बलौदाबाजार। भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर सोमवार को भाजपा शहर मंडल के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। भाजपा के वरिष्ठ नेता विजय केसरवानी ने डॉ. मुखर्जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में न. पा. पूर्व अध्यक्ष चितावर जायसवाल, नीलम सोनी, नरेश केसरवानी, कोड्स राम कश्यप, आलोक अग्रवाल, संजय श्रीवास, महेंद्र साहू, संजू पटेल, शिव नरेश मिश्रा, सरिता मार्के, धनेश्वरी वर्मा, अनामिका अग्रवाल, सुशीला वर्मा, धनीराम मार्के, दिनेश वर्मा, तारा परसवानी, तरुण वर्मा, हरि सेन, केश कुमार जायसवाल, विनय गुप्ता, अछर अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सर्व मांगलिक भवन एवं अधूरा गार्डन का जल्द होगा कायाकल्प

हरिभूमि न्यूज ⏭ कसडोल

नगर पंचायत अध्यक्ष नागेश्वर साहू के प्रयासों से वर्षों से अधूरा पड़ा सर्व मांगलिक भवन एवं गार्डन अब शीघ्र पूर्ण होने की दिशा में है। अध्यक्ष ने इस जनहित के महत्वपूर्ण विषय को लगातार नगरीय प्रशासन, नगर पंचायत परिषद की बैठकों, दिशा समिति की बैठक तथा जिला प्रशासन के समक्ष प्रमुखता से उठाया। उन्होंने अटल परिसर चौक स्थित अधूरे भवन को शीघ्र पूर्ण कराने की मांग कई बार अधिकारियों के समक्ष रखी तथा संबंधित ठेकेदार से भी लगातार चर्चा की। कार्य में अपेक्षित प्रगति नहीं होने पर उन्होंने पुनः वरिष्ठ नगरीय निकाय अधिकारियों के समक्ष मामला उठाकर निर्माण कार्य पूर्ण कराने की मांग की।

आपको बता दे कि अटल चौक स्थित सर्व मांगलिक भवन पिछले 10 वर्षों से अधूरा पड़ा है इतने वर्षों से न ठेकेदार का पता है और न ही अधिकारियों के ध्यान में आया। अगर उच्च अधिकारियों द्वारा निष्पक्ष जांच किये जाए तो निश्चित ही लाखों रुपये के भ्रष्टाचार सामने आने की संभावना है। इसी तरह नगर स्थित गार्डन अब तक उचित रख-रखाव व देख-भाल के अभाव के कारण बदहाल स्थिति में है, बच्चों के लगाए गए झूले भी टूटे हुए हैं।

नगर पंचायत अध्यक्ष नागेश्वर साहू ने कहा कि नगर के विकास एवं जनहित से जुड़े प्रत्येक कार्य को प्राथमिकता के साथ पूरा कराना उनकी जिम्मेदारी है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि वर्षों से लंबित यह निर्माण कार्य अब जल्द पूरा होकर नगरवासियों को समर्पित किया जाएगा। इसी क्रम में शासन द्वारा नियुक्त नोडल अधिकारी प्रवीण साहू ने स्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित इंजीनियर को अधूरे निर्माण कार्य को शीघ्र पूर्ण कराने के लिए आवश्यक निर्देश दिए। इस पहल से नगरवासियों में खुशी का माहौल है।

खबर संक्षेप

मोहरा के किसान की बेटी का एम्स में चयन

हिरमी रावन। ग्राम मोहरा वि.ख. सिमगा की 24 वर्षीय विभा वर्मा का अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान द्वारा आयोजित नर्सिंग ऑफिसर रिक्रूटमेंट कॉमन

एलिजिबिलिटी टेस्ट परीक्षा उत्तीर्ण कर एम्स भुवनेश्वर में नर्सिंग ऑफिसर के पद पर चयन हुआ है। विभा ने प्रारंभिक शिक्षा गांव से ही प्राप्त कर वर्ष 2024 में बी.एससी. नर्सिंग की पढ़ाई पूरी की। इसके बाद उन्होंने रायपुर स्थित फ्लोरेंस नर्सिंग एकेडमी से नॉरसेट परीक्षा की तैयारी शुरू की। उनकी यह यात्रा बेहद संघर्षपूर्ण रही। पिता भूपेंद्र वर्मा गांव में खेती के साथ एक छोटी किराना दुकान चलाते हैं, जबकि माता जागृति वर्मा ने हर परिस्थिति में विभा का मनोबल बढ़ाया। तैयारी के दौरान उनके पिता गंभीर रूप से बीमार हो गए और महीनों अस्पताल में भर्ती रहे। इस आर्थिक और पारिवारिक संकट के बावजूद विभा अपने लक्ष्य पर डटी रहीं।

डायल-112 से बची सर्पदंश की शिकार बालिका की जान

बलौदाबाजार। तेज आंधी और मूसलाधार बारिश के बीच डायल-112 की त्वरित कार्रवाई से सर्पदंश की शिकार 15 वर्षीय बालिका की जान बच गई। समय रहते जिला अस्पताल पहुंचाए जाने से बालिका का उपचार शुरू हो सका और उसकी स्थिति अब सुरक्षित एवं स्थिर बताई जा रही है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 5 जुलाई को दोपहर 11.59 बजे डायल-112 कंट्रोल रूम को सूचना मिली कि ग्राम खम्हरिया रिसदा में एक 15 वर्षीय बालिका को सांप ने काट लिया है और उसकी हालत गंभीर होती जा रही है। सूचना मिलते ही दोपहर 12 बजे सिटी कोतवाली की डायल-112 टीम तत्काल मौके के लिए रवाना हुई। उस समय क्षेत्र में तेज बारिश, आंधी और कम दृश्यता जैसी चुनौतीपूर्ण परिस्थितियां थीं। इसके बावजूद डायल-112 में पदस्थ आरक्षक अनिल कुमार साहू एवं वाहन चालक खगेश मानिकपुरी ने तत्परता और साहस का परिचय देते हुए कम समय में गांव पहुंचकर बालिका को वाहन से जिला अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों के अनुसार, सर्पदंश के मामलों में शुरुआती समय अर्थात ल्डन ऑवर' अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। समय पर अस्पताल पहुंचने से बालिका को तत्काल उपचार मिल सका, जिससे उसकी जान बच गई। इस मानवीय एवं त्वरित कार्रवाई के लिए बालिका के परिजनों और ग्रामीणों ने डायल-112 टीम के प्रति आभार व्यक्त किया।

श्यामा प्रसाद मुखर्जी की मनाई गई जयंती

महासमुंद। ग्राम खरोरा में भारत की अखंडता और एकात्मता के लिए अपना सर्वस्व समर्पित करने वाले प्रखर राष्ट्रवादी नेता एवं भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती मनाई गई। इस दौरान कौशल्या चंद्राकर, भारती चंद्राकर, बबली चंद्राकर, दामिनी चंद्राकर रुपेश चंद्राकर, भूषण चंद्राकर मौजूद रहे।

जल अवशोषण ट्रेंचों से 132.2 लाख घन मीटर वर्षा जल का भण्डारण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बलौदाबाजार

जल संरक्षण को जनभागीदारी का व्यापक स्वरूप देते हुए जिला प्रशासन द्वारा जिले में मोर गांव,मोर पानी महाअभियान के अंतर्गत वी बी-ज़ी राम ज़ी एवं विभिन्न विभागों के प्रभावी अभिसरण से 1,69,504 जल अवशोषण ट्रेंच का निर्माण किया गया है। पहली बारिश में ही इन जल अवशोषण ट्रेंचों में पानी भर गया हैं जिससे लगभग 13.22 मिलियन क्यूबिक मीटर वर्षा जल का संरक्षण एवं भूजल पुनर्भरण सुनिश्चित होगा। इससे वर्षा का बहुमूल्य जल बहकर नष्ट होने के बजाय भूमि में समाहित होगा, जिससे भूजल स्तर में उल्लेखनीय वृद्धि होगी तथा कुओं, हैंडपंपों, नलकूपों एवं अन्य जल स्त्रोतों में लंबे समय तक जल उपलब्धता बनी रहेगी।

कलेक्टर कुलदीप शर्मा के मार्गदर्शन एवं सी ई ओ जिला पंचायत सुश्री दिव्या अग्रवाल के नेतृत्व में जिले में मोर गांव, मोर पानी 2.0 अभियान चलाया गया। यह अभियान केवल जल संरक्षण तक सीमित नहीं रहा, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी नई मजबूती प्रदान कर रहा है।

वी बी -ज़ी राम जी के माध्यम से हजारों ग्रामीण श्रमिकों को उनके अपने गांव में ही रोजगार उपलब्ध हुआ, वहीं विभिन्न विभागों के समन्वित प्रयासों से अभियान का प्रभाव और अधिक व्यापक एवं परिणामकारी बना।

पशुपालन, बागवानी एवं मत्स्य पालन को मिलेगा बढ़ावा

खरीफ एवं रबी फसलों की उत्पादकता में वृद्धि

जल अवशोषण ट्रेंचों के निर्माण से कृषि भूमि में नमी का संरक्षण होगा, मिट्टी का कटाव कम होगा तथा वर्षा जल का अधिकतम उपयोग संभव होगा। इससे किसानों को खरीफ एवं रबी दोनों फसलों में बेहतर उत्पादन प्राप्त होगा। साथ ही जल उपलब्धता बढ़ने से पशुपालन, बागवानी, मत्स्य पालन एवं अन्य ग्रामीण आजीविका गतिविधियों को भी नई गति मिलेगी। मोर गांव–मोर पानी महाअभियान जल संरक्षण को जनभागीदारी से जोड़ने का एक सफल मॉडल बनकर उभरा है। यह अभियान /"हर बूंद का संरक्षण–हर गांव का संवर्धन/" की भावना को साकार करते हुए भविष्य की जल सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

सड़क सुरक्षा पर फिर सवाल, कोतवाली के सामने स्कूल बस और कार की भिड़ंत

बीच शहर स्कूल बस और कार में टक्कर : चालक घायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बलौदाबाजार

शहर में सड़क सुरक्षा को लेकर किए जा रहे प्रयोग अब आम लोगों के लिए चिंता का विषय बनते जा रहे हैं। कोतवाली थाना के सामने सोमवार को डीपीएस वर्ल्ड स्कूल, खम्हरिया की स्कूल बस और एक कार के बीच हुई टक्कर ने एक बार फिर शहर के प्रमुख मार्गों पर बने डिवाइडरों और उनमें छोड़ी गई अनियोजित कटिंग्स की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। हादसे में स्कूल बस में सवार बच्चे सुरक्षित रहे, जबकि एक महिला सहित दो लोग घायल हो गए। घटना की जांच कोतवाली पुलिस कर रही है।

जानकारी के अनुसार, मोटरसाइकिल सवार दंपति को बचाने के प्रयास में स्कूल बस चालक का संतुलन बिगड़ गया और बस कार से टकरा गई। दुर्घटना उस स्थान पर हुई, जहां डिवाइडर की कटिंग मौजूद है।

शहर में यह कोई पहली घटना नहीं है। दो दिन पहले गार्डन चौक के पास भी डिवाइडर की कटिंग पार करते समय दो कारों की टक्कर हो गई थी। स्थानीय लोगों का कहना है कि भाटापारा रोड, रायपुर रोड, लवन रोड सहित नगर के प्रमुख मार्गों पर बने डिवाइडरों की कटिंग्स लगातार दुर्घटनाओं का कारण बन रही हैं। वाहन चालकों को अचानक मुड़ने वाले वाहनों का अनुमान नहीं लग पाता, जिससे टक्कर की आशंका बढ़ जाती है।

शहर में डिवाइडर निर्माण और उनकी कटिंग तय करने की प्रक्रिया को लेकर भी प्रश्न उठ रहे हैं। जानकारों का कहना है कि ऐसे कार्य सामान्यतः विस्तृत यातायात सर्वे, वाहन घनत्व के अध्ययन, दुर्घटना विश्लेषण और वैज्ञानिक मानकों के आधार पर किए जाते हैं, ताकि सड़क सुरक्षा प्रभावित न हो। लेकिन नगर में कई स्थानों पर डिवाइडर और उनकी कटिंग्स बिना समुचित तकनीकी अध्ययन और विभागीय समन्वय के तय किए जाने के आरोप लग रहे हैं।

बाढ़, सर्पदंश और हादसों में घायलों को राहत पहुंचाने वाले पुलिस कर्मी सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बलौदाबाजार

प्राकृतिक आपदा, सड़क दुर्घटनाओं और आपातकालीन परिस्थितियों में साहस, तत्परता और कर्तव्यनिष्ठा का परिचय देकर लोगों की जान बचाने वाले थाना कसडोल पुलिस एवं डायल-112 के अधिकारियों, आरक्षकों और वाहन चालकों को सोमवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आयोजित समारोह में पुलिस अधीक्षक ओपी शर्मा ने प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

एसपी श्री शर्मा ने कहा कि पुलिस का प्रथम दायित्व नागरिकों के जीवन एवं संपत्ति की रक्षा करना है। कसडोल पुलिस और डायल-112 की टीम ने बाढ़, खराब मौसम तथा सड़क दुर्घटनाओं जैसी चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में जिस साहस, समन्वय और त्वरित निर्णय क्षमता का परिचय दिया, वह पूरी पुलिस व्यवस्था के लिए प्रेरणास्त्रोत है।

सम्मानित किए गए पुलिसकर्मियों में मातागढ़ तुरतुरिया स्थित बालमदेही नदी में आई भीषण बाढ़ के दौरान 5 जुलाई को 200 से अधिक श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों का सुरक्षित रेस्क्यू करने वाली टीम शामिल रही। इस अभियान में प्रशिक्षु उपनिरीक्षक रूपेश चंद्रा, प्रशिक्षु उपनिरीक्षक उमेश टंडन, डायल-112 के आरक्षक मनोज पैकरा, वाहन चालक नेतराम पटेल तथा वाहन चालक राजा उर्फ टिकेश्वर यादव ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

स्कूल समिति में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सदस्यों का गठन

मुंडा। शासकीय प्राथमिक व पूर्व माध्यमिक शाला पैजनी में संयुक्त रूप से साल विकास समिति के अध्यक्ष उपाध्यक्ष एवं सदस्यों का चयन किया गया। जिसमें पालकों एवं अभिभावकों द्वारा निर्वाचन प्रक्रिया के माध्यम से गिरवर प्रसाद वर्मा को अध्यक्ष छुनिया देवी विश्वकर्मा को उपाध्यक्ष पद के लिए नियुक्त किया गया। साथ ही गायत्री वर्मा, रामबती वर्मा, जानकी वर्मा, रामेश्वरी वर्मा, ललिता वर्मा, प्रीत बाई वर्मा, धनेश्वरी बंजारे, हरीश वर्मा, रामेश्वर सोनवानी, संजय टंडन, ईश्वर पटेल को सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया। एवं शिव प्रसाद साहू को शिक्षाविद शाला के प्रधानपाठक चूड़ामणि वर्मा को शिक्षक सदस्य संतोष कुमार पैकरा को सदस्य सचिव एवं यशवंत वर्मा को पंचायत सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया। इस अवसर पर गांव के सरपंच लुकेश्वर वर्मा, पंच में रामकृष्ण वर्मा, संतोष वर्मा, पालकों में गोकुल यादव, तिरितराम वर्मा, रेशम वर्मा, पारस वर्मा, भास्कर वर्मा, रोहित वर्मा, योगेश वर्मा, प्रमोद वर्मा, श्रीनारायण वर्मा, मोहन वर्मा, रामप्रकाश वर्मा, राकेश वर्मा, लक्ष्मीनारायण वर्मा, दुर्गा प्रसाद वर्मा, मनोज वर्मा, टीकाराम साहू, नरेश साहू, टिकेश बंजारे, नरेश बंजारे, लक्ष्मण भारती, जीवन टंडन, रामेश्वर सोनवानी, उपेंद्र यादव, प्रेमलाल पटेल, कौशल पटेल, उत्तरा विश्वकर्मा एवं शाला के शिक्षक लोमश कुमार कोसरे, विनोद कुमार पटेल, अरुण कुमार रात्रे, सुक्रीता सेन, सुनीता ध्रुव, ज्यामिति यद्दु, दीपमाला तिवारी, शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थिति थे।

अपहृत नाबालिग गुजरात से बरामद महिला रिश्तेदार ने रची थी घिनौनी साजिश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिमगा

सिमगा पुलिस ने छत्तीसगढ़ से अपहृत 15 वर्षीय नाबालिग लड़की को गुजरात से सकुशल बरामद कर लिया है। इस मामले में पुलिस ने चौंकाने वाला खुलासा करते हुए पीड़िता की एक महिला रिश्तेदार सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने नाबालिग को अगवा कर मध्यप्रदेश ले जाकर जबरन शादी कराई और बंधक बनाकर उसके साथ दुष्कर्म किया।

जांच में सामने आया कि मध्यप्रदेश ले जाने के बाद मुख्य आरोपी ने पीड़िता की इच्छा के विरुद्ध एक मंदिर में उससे जबरन शादी रचाई। इसके बाद 18 से 27 जून तक उसे अपने घर में बंधक बनाकर रखा और पत्नी की तरह रखते हुए उसके साथ लगातार दुष्कर्म किया। इस पूरी वारदात में बाकी आरोपियों ने उसका पूरा साथ दिया।

पुलिस ने मध्यप्रदेश के धार जिले अन्जनताड़ निवासी 26 वर्षीय मुन्ना कन्नौज पिता गेरू सिंह, 26 वर्षीय राहुल कन्नौज पिता मनोहर सिंह और सिमगा निवासी 18 वर्षीय चांदनी बंजारे को गिरफ्तार कर धारा 137(2) अपहरण, 87, 64(2)(M) दुष्कर्म, 65(1), 61(2)(A) और पॉक्सो एक्ट की धारा 4, 6 एवं 17 के तहत कड़ी कानूनी कार्रवाई की है।

15 वर्षीय नाबालिग को बहला-फुसलाकर भगाया

पुलिस के मुताबिक, सिमगा निवासी प्रार्थिया ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसकी 15 वर्ष 10 माह की नाबालिग बेटी को कोई अज्ञात व्यक्ति बहला-फुसलाकर भगा ले गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। साइबर सेल और मुखबिरों की मदद से पता चला कि पीड़िता को मध्यप्रदेश के धार जिले के थाना बाघ अंतर्गत अन्जनताड़ चौकी डेहरी ले जाया गया है।

पुलिस ने नाबालिग को सकुशल किया बरामद

सिमगा पुलिस की एक विशेष टीम जब परिजनों के साथ मध्यप्रदेश पहुंची, तो पता चला कि आरोपी पकड़े जाने के डर से पीड़िता को लेकर गुजरात भाग गए हैं। पुलिस टीम ने तुरंत कदम आगे बढ़ाते हुए गुजरात की गोरबी टाइल्स कंपनी में दबिश दी और घेराबंदी कर नाबालिग को सुरक्षित छुड़ा लिया।

काउंसिलिंग में खुला अपहरण का राज

नाबालिग को बरामद करने के बाद जब उसकी काउंसलिंग और डॉक्टरी जांच कराई गई, तो इस पूरे मामले की घिनौनी हकीकत सामने आई। पीड़िता की ही एक 18 वर्षीय महिला रिश्तेदार ने नाबालिग होने की जानकारी के बावजूद दो पुरुष आरोपियों के साथ मिलकर एक सोची-समझी साजिश रची थी। उसी ने पीड़िता को बहला-फुसलाकर घर से अगवा कराया और मध्यप्रदेश भिजवाया था।

निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में 170 मरीजों की जांच 48 यूनिट रक्तदान

कसडोल। नगर स्थित आद्या हॉस्पिटल में स्व. रामायण बाई दिव्याकर की प्रथम पुण्यतिथि पर एकदिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में क्षेत्र के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए सेवा और समर्पण का प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत किया। हॉस्पिटल संचालक डॉ. सुरेंद्र दिव्याकर ने बताया कि शिविर में कुल 170 मरीजों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, जबकि 48 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया।

शिविर के दौरान विशेषज्ञ चिकित्सकों ने मरीजों को स्वास्थ्य संबंधी परामर्श दिया तथा ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर, ईसीजी सहित विभिन्न आवश्यक जांचें निःशुल्क कीं। बड़ी संख्या में पहुंचे मरीजों ने इस जनहितकारी पहल की सराहना की। रक्तदान शिविर में युवाओं, समाजसेवियों एवं क्षेत्रवासियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और जरूरतमंदों की सहायता के लिए रक्तदान किया। कार्यक्रम के अंत में सभी रक्तदाताओं को सम्मानित भी किया गया।

ब्रेक लाक होने पर बाइक से गिरकर पिता-पुत्र घायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कसडोल

कसडोल में सोमवार सुबह एक सड़क हादसे में पिता-पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गए। समय रहते डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) कसडोल पहुंचाकर उनकी जान बचाने में अहम भूमिका निभाई।

■ डायल 112 की तत्परता से बची दोनों की जान

जानकारी के अनुसार, सोमवार सुबह करीब 11.35 बजे डायल 112 कंट्रोल रूम को सूचना मिली कि बलार रोड कसडोल के पास एक मोटरसाइकिल दुर्घटनाग्रस्त हो गई है। सूचना मिलते ही डायल 112 के आरक्षक आशुतोष बंजारे और चालक नरेंद्र साहू तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना हुए। मौके पर पहुंचने पर पता चला कि खरहा बम्हनी निवासी कुंजराम कर्ष 75 वर्ष और उनके पुत्र हीराराम कर्ष 45 वर्ष बाइक से जा रहे थे। इसी दौरान बाइक का ब्रेक अचानक लॉक हो गया, साथ ही खराब रोड की वजह से वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया और दोनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसे में बुजुर्ग कुंजराम कर्ष का एक हाथ टूट गया, पैर के पंजे में गहरी चोट आई तथा सिर, पीठ और सीने में गंभीर चोटें लगीं। वहीं उनके पुत्र हीराराम कर्ष को भी सिर, सीने, घुटने और पीठ में गंभीर चोटें आईं। घायलों की नाजुक स्थिति को देखते हुए डायल 112 की टीम ने एम्बुलेंस का इंतजार किए बिना दोनों को सावधानीपूर्वक वाहन में बैठाकर सीधे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कसडोल पहुंचाया। वहां डॉक्टरों को पूरी जानकारी देकर दोनों को तत्काल आपातकालीन वार्ड में भर्ती कराया गया, जिससे समय पर उपचार शुरू हो सका।

डायल 112 के आरक्षक आशुतोष बंजारे और चालक नरेंद्र साहू की त्वरित कार्रवाई व सूझबूझ की स्थानीय नागरिकों और अस्पताल प्रबंधन ने सराहना की है। उनकी तत्परता के कारण गोल्डन आवर में इलाज मिल सका और दोनों घायलों की जान बचाने में सफलता मिली।

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

बारनावापारा अभयारण्य पर्यटकों के लिए 31 अक्टूबर तक रहेगा बंद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बलौदाबाजार

बारनवापारा वन्यजीव अभयारण्य 1 जुलाई से 31 अक्टूबर तक पर्यटकों के लिए बंद रहेगा। मानसून के दौरान वन्यजीवों के प्रजनन काल, प्राकृतिक आवास की सुरक्षा तथा पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष इस अवधि में अभ्यारण्य को पर्यटकों के लिए बंद रखा जाता है। इस अवधि में भी प्रकृति प्रेमियों एवं पर्यटकों को बेहतर पर्यटन अनुभव उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बलौदाबाजार वनमण्डल द्वारा बारनवापारा–सिरपुर बफर क्षेत्रों में मानसून पर्यटन की शुरुआत की अवधारणा पर कार्य किया जा रहा है। यह पर्यटन परिपथ राजधानी रायपुर से सबसे निकट स्थित प्राकृतिक, सांस्कृतिक, धार्मिक एवं सामुदायिक पर्यटन स्थलों को एक सूत्र में जोड़ने की एक अभिनव पहल है। इस पर्यटन परिपथ में सिरपुर (महासमुंद), धसकुंड जलप्रपात, तुरतुरिया ईको क्लचरल सेंटर, गिरौदपुरी धाम, सिद्धखोल जलप्रपात, कसडोल - सोनाखान, शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक, सोनाखान, देवपुर नेचर कैंप, देव हिल्स ईको एथनिक स्टे (अचानकपुर), बारनवापारा वन्यजीव अभयारण्य तथा कोडार जलाशय (महासमुंद) जैसे महत्वपूर्ण स्थलों में पर्यटक प्रकृति, स्थानीय संस्कृति और प्राचीन धरोहरों का अनुभव ले सकते हैं। यह पूरा लैंडस्केप प्रकृति, वन्यजीव, जलप्रपात ग्रामीण जीवन एवं ईको-टूरिज्म का अनूठा संगम प्रस्तुत करता है।

सिद्धखोल और सिरपुर बनेंगे पर्यटन के प्रमुख आकर्षण

मानसून के दौरान यह संपूर्ण क्षेत्र हरियाली से आच्छादित होकर और भी आकर्षक हो जाता है। घने वन, पहाड़ियां, झरने, नदी-नाले, प्राकृतिक दृश्य तथा ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थल पर्यटकों को एक ही पर्यटन परिपथ में विविध अनुभव प्रदान करेंगे। विशेष रूप से देवपुर नेचर कैंप, अचानकपुर में देव हिल्स ईको एथनिक स्टे, सिद्धखोल जलप्रपात, तुरतुरिया धाम एवं धामनी इको विलेज, धसकुड़ फॉल, सिरपुर मानसून पर्यटन के प्रमुख आकर्षण बनकर उभरेंगे।

बारनवापारा–सिरपुर बफर क्षेत्रों में मानसून पर्यटन की शुरुआत

प्रकृति, संस्कृति और स्थानीय समुदायों को जोड़ने वाली दीर्घकालिक पहल

इस संबंध में वनमण्डलाधिकारी बलौदाबाजार धम्मशील गणवीर ने कहा कि यह सर्किट प्रकृति, संस्कृति, विरासत और स्थानीय समुदायों को एक साथ जोड़ने की एक दीर्घकालिक पहल है। उन्होंने कहा कि मानसून के दौरान भी पर्यटकों को बारनवापारा–सिरपुर बफर क्षेत्रों के प्राकृतिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक स्थलों का अनुभव उपलब्ध होने के साथ ही स्थानीय समुदायों की सहभागिता, रोजगार सृजन एवं सतत पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है।

खबर संक्षेप

जिले में अब तक 245.6 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज

बलौदाबाजार। जिले में चालू मानसून के दौरान 1 जून से 6 जुलाई तक 245.6 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। भू-अभिलेख कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार अब तक तहसील टुण्डरा में 386 मिमी, बलौदाबाजार में 277 मिमी, भाटापारा में 241.1 मिमी, कसडोल 235.4 मिमी, लवन 232.4 मिमी, पलारी में 229.7 मिमी, सिमगा में 216.5 मिमी, सोनाखान 197.9 मिमी एवं सुहेला 194 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। इस तरह कुल 2210 मिमी वर्षा अभी तक दर्ज की गई है जिसकी औसत वर्षा 245.6 मिमी है।

एकादशी पर शीतला माता मंदिर में भजन-कीर्तन हुआ

भाटापारा। भीमसेनी एकादशी पर भजन कीर्तन का कार्यक्रम शीतला माता मंदिर मातादेवालय मंदिर में किया गया। इस अवसर पर 40 महिला पुरूष सेवा भजन मण्डली प्रमुखों एवं 111 समाज सेवक प्रमुखों का सम्मान गीता, प्रसाद एवं 101 रूपये की सम्मान राशि से सम्मानित किया गया, जिसमे प्रमुख रूप से महिला पुरूष सेव भजन मण्डली प्रमुख पुष्पा,मनीष, मंजू पाण्डेय,सया कंवरे, रत्ना दीक्षित, सरोज यादव, समाज सेवा प्रमुख गणों में इन्द्र साव विधायक, शिवरतन शर्मा, अश्वनी शर्मा, दिलीप छाबडिया, डा.प्रभाशंकर पाण्डेय, डा.पूजा भृगु,जगदीश प्रसाद दीक्षित अधिवक्ता, प्रकाश महराज, ओम जोशी, आनंद शर्मा, उमेश शर्मा, अनिल मिश्रा, मोतीलाल अधिवक्ता, डी.के.मिश्रा, गोविंद बिस्सा, डा. वासुदेव ठाकुर, योगेश पोपट, डा. अनिता वर्मा आदि के अलावा सभी प्रबुद्ध जनो का सम्मान किया गया।

डॉ. खूबचंद बघेल कृषक रत्न पुरस्कार के लिए आवेदन आमंत्रित

बिलाईगढ़। कृषि विभाग द्वारा प्रतिष्ठित डॉ. खूबचंद बघेल कृषक रत्न पुरस्कार 2026 हेतु जिले के पात्र किसान आवेदन पत्र को पूर्ण रूप से भरकर संबंधित विकासखंड के वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी कार्यालय में अंतिम तिथि 31 जुलाई तक जमा कर सकते हैं। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त होने वाले आवेदन पत्रों पर कोई विचार नहीं किया जाएगा। कार्यालय उप संचालक कृषि, साहू धर्मशाला के पास सारंगढ़ से निःशुल्क आवेदन पत्र प्राप्त कर सकते हैं। आवेदन को छानबीन समिति द्वारा परीक्षण उपरांत कार्यालय उप संचालक कृषि में जमा किए जाएंगे। पुरस्कार से संबंधित विस्तृत जानकारी कृषि विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है।

निधन

रामसेवक वर्मा

बंगोली। ग्राम कुर्रा निवासी रामसेवक वर्मा का 1 जुलाई को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार ग्राम के मुक्तिधाम में किया गया। अंतिम यात्रा में स्वजातीय सहित ग्राम के अन्य लोग उपस्थित होकर शोक श्रद्धांजलि अर्पित की। वे सरस्वती वर्मा के पति, दिनेश वर्मा, दिलीप वर्मा के पिता तथा पिताम्बर वर्मा एवं मोहन वर्मा के अग्रज थे।

बैठक : अतिक्रमण हटाने और विकास की बनी कार्ययोजना

छुइहा जलाशय समेत कई पर्यटन स्थलों का बदलेगा स्वरूप : कलेक्टर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बलौदाबाजार

■ स्थानीय रोजगार को बढ़ावा देने और पर्यटकों के लिए सुविधाएं बढ़ाने पर जोर

कलेक्टर कुलदीप शर्मा की अध्यक्षता में सोमवार को जिला पर्यटन विकास समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के पर्यटन मानचित्र को नया रूप देने के लिए कई बड़े निर्णय लिए गए। स्थानीय रोजगार को बढ़ावा देने और पर्यटकों के लिए सुविधाएं बढ़ाने पर जोर दिया गया।

कलेक्टर शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिले में पर्यटन की अपार संभावनाओं को देखते हुए सभी चिन्हित स्थलों का तेजी से विकास किया जाए। उन्होंने शहर के नजदीक स्थित छुइहा जलाशय सौंदर्यीकरण और विकास पर विशेष ध्यान देने और इसे एक प्रमुख टूरिस्ट स्पॉट के रूप में विकसित करने के लिए विस्तृत कार्ययोजना बनाने कहा। उन्होंने जलाशय के जमीन पर अतिक्रमण को गंभीरता से लेते हुए जल संसाधन विभाग के अधिकारी को निर्देशित किया कि अतिक्रमण पर तत्काल कार्यवाही किया जाए और सम्बंधित एसडीओ और सब इंजीनियर को नोटिस जारी किया जाए। उन्होंने छुइहा जलाशय के साथ ही नवीन कृषि उपज मण्डी के पास खोरसी नाला में चेक डेम निर्माण और पौधारोपण, सोनबरसा जंगल सफारी में सुविधा विस्तार, गिरौदपुरी धाम, गिधौरी कें पास महानदी तट का सौन्दर्यीकरण आदि पर चर्चा की गई। इसके साथ ही हीरा स्व सहायता समूह द्वारा जलाशय में बोटिंग संचालन प्रस्ताव पर सुरक्षा एवं सुविधाओं का परीक्षण करने का निर्णय लिया गया।

बैठक में बताया गया कि पर्यटन स्थलों के विकसित होने से न केवल पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी, बल्कि स्थानीय युवाओं और ग्रामीणों के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। स्थानीय हस्तशिल्प, खान-पान और गाइड के रूप में लोग आत्मनिर्भर बन सकेंगे।

बैठक में नगर पालिका अध्यक्ष अशोक जैन, जिला पंचायत सीईओ सुश्री दिव्या अग्रवाल सहित समिति के सदस्य और विभिन्न विभागों के अधिकारी वन विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

नैनो डीएपी और नैनो यूरिया के उपयोग से बढ़ी उपज

बलौदाबाजार। जिले के किसानों के बीच नैनो उर्वरकों के प्रति विश्वास लगातार बढ़ रहा है। विकासखंड सिमगा के ग्राम कचलोन निवासी प्रगतिशील किसान लूचरण टंडन ने बताया कि उन्होंने अपनी 5 एकड़ कृषि भूमि में गत वर्ष धान की खेती के दौरान रासायनिक खाद की जगह नैनो डीएपी एवं नैनो यूरिया का उपयोग किया। उन्होंने बताया कि ये उर्वरक उन्हें आसानी से एवं किफायती दर पर उपलब्ध हो गए तथा इनका खेत में छिड़काव करना भी बेहद सरल रहा।

किसान ने बताया कि नैनो डीएपी और नैनो यूरिया के उपयोग से उनकी भूमि की उर्वरा शक्ति में सुधार हुआ है तथा धान की फसल के उत्पादन में भी पहले की अपेक्षा उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि नैनो उर्वरकों के उपयोग से लागत कम होने के साथ-साथ बेहतर परिणाम प्राप्त हुए हैं, जिससे खेती अधिक लाभकारी बनी है।

उन्होंने जिले के सभी किसानों से अपील करते हुए कहा कि वे भी नैनो डीएपी एवं नैनो यूरिया का उपयोग कर आधुनिक एवं संतुलित खेती को अपनाएं, ताकि उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ मिट्टी की गुणवत्ता भी सुरक्षित रखी जा सके।

नया दायित्व मिलने पर भाजपा युवा मंडल ने की शिवरतन से मुलाकात

सिमगा। भाजपा युवा मोर्चा मण्डल के नया दायित्व मिलने पर कार्यकर्ताओं ने भाटापारा पहुंचकर शिवरतन शर्मा का आभार जताया। इसमें मुख्य रूप से मण्डल अध्यक्ष चंद्रमणि तिवारी, गोलू अवस्थी, जिला मंत्री गगन शर्मा, प्रशांत देवांगन, आकाश नायक, मुकुंद रजक, विकास सोनकर, आकाश यादव, मनीष गौरव, पियूष जैन, जीतेन्द्र देवांगन, छोटू सोनकर आदि उपस्थित थे।

खरीफ सीजन के लिए जिले में 54778 मेट्रिक टन उर्वरक का भण्डारण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बलौदाबाजार

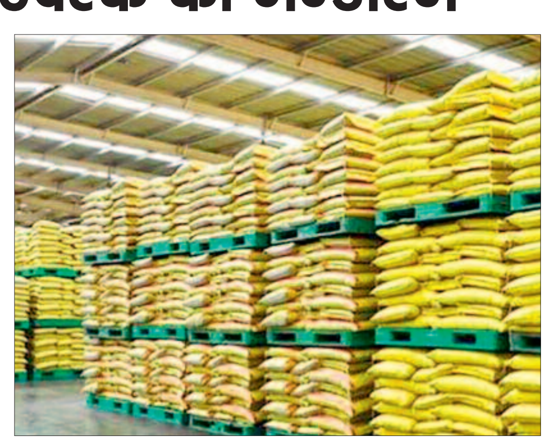

■ किसानों को अब तक 42 हजार मीट्रिक टन खाद वितरित

राज्य शासन के मंशा अनुरूप एवं कलेक्टर कुलदीप शर्मा के मार्गदर्शन में जिले में खरीफ सीजन 2026 के लिये जिले में उर्वरक भण्डारण किया जा रहा है। जिले को 85430 मीट्रिक टन उर्वरक लक्ष्य प्राप्त हुआ है जिसके विरुद्ध 420 82 मेट्रिक टन उर्वरक भण्डारण किया गया हैं जिसमें यूरिया 29391, डीएपी 5409, पोटाश 3100, एसएसपी 7455 तथा एनपीके 9423 कुल 54778 मीट्रिक टन हो चुका है। अब तक यूरिया 22185, डीएपी 4344, पोटाश 2141, एसएसपी 5249 तथा एनपीके 8163 कुल 42082 मीट्रिक टन वितरण किया जा चुका है। जिले में उर्वरक भण्डारण वितरण का कार्य निरंतर जारी है।

इसी तरह खरीफ वर्ष 2026 में बीज की मांग, उपलब्धता, भण्डारण एवं वितरण किया जा रहा है। जिले में धान सामान्य, धान हाई ब्रिड, मक्का हाई ब्रिड, कोदो, कुटकी, रागी, अरहर, उड़द, मूंग, कुल्थी, सोयाबीन, मूंगफली, तिल, रामतिल, सूर्यमुखी एवं सन एवं ढेंचा का कुल भण्डारण 34566.80 क्विंटल लक्ष्य है जिसके विरूध्द 32803.70 क्विंटल वितरण किया जा चुका है।

संतुलित उर्वरकों और नैनो खाद के उपयोग की कृषि विशेषज्ञों ने दी सलाह

कृषि विशेषज्ञों के अनुसार केवल डी.ए.पी. पर निर्भर रहना न केवल जोखिम भरा है, बल्कि इससे मिट्टी का संतुलन भी बिगड़ सकता है। बेहतर फसल उत्पादन और मिट्टी के स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए संतुलित उर्वरकों का उपयोग बेहद जरूरी है। धान जैसी प्रमुख खरीफ फसल के लिए यूरिया, सुपर फॉस्फेट, पोटाश और एन.पी. के. जैसे उर्वरकों का सही मात्रा में प्रयोग करना लाभकारी साबित होता है तथा डीएपी पर निर्भरता कम कर इसे वैकल्पिक उर्वरक के रूप में भी उपयोग किया जा सकता है। इसके साथ ही कृषकों को नील हरित काई, हरी खाद तथा जैव उर्वरक (बायो-फर्टिलाइजर्स) का उपयोग करने हेतु भी सलाह दिया गया है, जो की रासायनिक उर्वरको के निर्भरता पर कमी लाएगी। किसान बोरियों वाली खाद के स्थान पर नैनों यूरिया एवं नैनो डीएपी (तरल) को प्राथमिकता दें। यह न केवल परिवहन में आसान है बल्कि इसकी उपयोग क्षमता 90 प्रतिशत तक है। इसके छिड़काव से फसल को सीधा पोषण मिलता है और जमीन भी खराब नहीं होती।

सेवानिवृत शिक्षक देवलाल को स्कूल प्रबंधन ने दी विदाई

भाटापारा। शासकीय बहुउद्देशीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक देवलाल बाघमार के सेवानिवृत्त होने पर सम्मान एवं विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. अर्चना वर्मा, बाघमार के परिवार के सदस्य, उनके मित्र, विद्यालय के सभी शिक्षक एवं कर्मचारी तथा अन्य आमंत्रित अतिथि उपस्थित थे। समारोह में वक्ताओं ने बाघमार की दीर्घकालीन, समर्पित एवं अनुकरणीय शिक्षकीय सेवाओं की सराहना करते हुए उनके योगदान को स्मरण किया। विद्यालय परिवार की ओर से उन्हें शॉल, श्रीफल एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया तथा उनके स्वस्थ, सुखमय एवं सक्रिय सेवानिवृत्त जीवन की शुभकामनाएँ दी गईं। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी लोगों ने श्री बाघमार के साथ बिताए गए प्रेरणादायी क्षणों को साझा किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। समारोह का समापन आभार प्रदर्शन के साथ हुआ।